मंत्र

ॐ ह्रीं विचित्रवीर्यं स्वप्ने इष्टं दर्शय नमः

सामग्री - स्वप्नेश्वरी देवी का चित्र , जलपात्र , केसर , अक्षत , अगरबत्ती , दीपक आदि
माला - कार्य सिद्धि माला
समय - दिन या रात का कोई भी समय
आसन - सफ़ेद रंग का सूती आसन
दिशा - पूर्व दिशा
जपसंख्या - 11 माला 49 दिनों तक

सामने स्वप्नेश्वरी देवी का चित्र कांच के फ्रेम में मढ़वाकर उसकी सामान्य पूजा करें और अगरबत्ती व दीपक लगाकर किसी भी रविवार को मंत्र प्रयोग प्रारंभ करें।
जब मंत्र अनुष्ठान पूरा हो जायें तो जिस रात्रि को अपने इष्ट देवता से बात करनी हो उस रात्रि को एक बार उपर्युक्त मंत्र का उच्चारण कर सो जायें। सपने में इष्टदेवता से बातचीत हो सकती है।